हनुमान जी को चोला चढ़ाया , निकाली शोभायात्रा

राजधानी में धूमधाम से मनाया रामभक्त हनुमान जी का जन्मोत्सव, मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

पुराने भोपाल में हनुमान जी की भव्य शोभायात्रा निकाली .

भोपाल, 2 अप्रैल. राजधानी भोपाल में गुरुवार को रामभक्त हनुमानजी के जन्मोत्सव पर शोभायात्राएं निकाली गईं, मंदिरों में पूजन-अर्चन कर चोला चढ़ाकर महाआरती की गई.

हिंदू अखाड़ा महासंघ गुरुवार शाम 4:30 बजे कर्फ्यू वाली माता जी के मंदिर से ध्वज पूजन कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई. इसमें अखाड़ों के बच्चे और युवक- युवती करतब दिखाते हुए चल रहे थे. शोभायात्रा पुराने भोपाल के मुख्य मार्गों से होते हुए प्राचीन खेड़ापति हनुमान जी के सामने छोला मैदान पर पहुंची, जहां पर आरती के बाद आतिशबाजी के साथ हनुमान प्रकट उत्सव का समापन किया.

न्यू मार्केट हनुमान मंदिर

संत समाज के प्रमुख कन्हैया दास महाराज, अनिल दयानंद महाराज व अन्य साधु संतों का आशीर्वाद अखाड़ों के गुरुजनों ने प्राप्त कर ध्वज यात्रा प्रारंभ की. मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री विश्वास सारंग, महापौर मालती राय उपस्थित थे. महासंघ के अध्यक्ष जगदीश कुशवाहा और सचिव अनिल ठाकुर ने बताया कि शोभायात्रा में एक दर्जन अखाड़े शामिल थे, जिसमें श्री खेड़ापति हनुमान अखाड़ा, लवकुश अखाड़ा, श्री राम बजरंग अखाड़ा, शिवधाम कुशवाह अखाड़ा, श्री छत्रपति शिवाजी अखाड़ा, जय जगन्नाथ पूरी धाम अखाड़ा, शीतला माता अखाड़ा, कुशवाह अखाड़ा, श्री खेड़ापति महावीर अखाड़ा, श्री मुकुट बंद महाराणा प्रताप अखाड़ा, पवनसुत अखाड़ा शामिल थे. इधर, न्यू मार्केट के हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना महाआरती की गई.

सिद्ध पीठ कमाली मंदिर

भोपाल, 2 अप्रैल. भोपाल के प्राचीन एवं सिद्ध पीठ कमाली मंदिर में संकट मोचक श्री हनुमान जी महाराज के जन्मोत्सव पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी. इस अवसर पर हनुमानजी महाराज की महाआरती की गई. चलित भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की. सेवाधारी चेतन पटेल (फार्मा हाउस) ने बताया कि यह आयोजन समाज को एक सूत्र में बांधने और सेवा भाव को आगे बढ़ाने का माध्यम है. श्रद्धालु बी.डी. ढालिया ने कहा कि हनुमान जन्मोत्सव हम सभी के लिए आस्था, ऊर्जा और सेवा का प्रतीक है. आयोजन में मनोज सोनी, अशोक सांकले ओर सेवा भारती नानक मंडल एवं मां अन्नपूर्णा भोजन सेवा केंद्र, के सेवा धारियों आदि का विशेष सहयोग रहा.

मानस भवन में हनुमत कथा का समापन

भोपाल, 2 अप्रैल. मानस भवन में चल रही हनुमत कथा का गुरुवार को समापन हुआ. इस अवसर पर कथा व्यास पं. श्यामजी मनावत का शाल-श्रीफल सम्मान किया गया. पंडित मनावत जी ने कहा हनुमानजी लंका में केवल सीताजी की खोज के लिये ही नहीं गये थे, बल्कि वे पहले लंका में सभी जगह गए थे. रावण के महल और विभीषण के घर गये. उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति समग्रता का चिंतन करती है. हम सबके जीवन में प्रकाश आना चाहिए. हमारी संस्कृति में सात रंग है. हमारी दृष्टि में समग्रता एवं समभाव का समावेश होना चाहिए.

दादाजी धाम मंदिर में मनाया हनुमान जन्मोत्सव

भोपाल, 2 अप्रैल. दादाजी धाम मंदिर, रायसेन रोड, पटेल नगर में हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया. इस अवसर पर मंदिर में विराजमान बाल स्वरूप भगवान हनुमान जी का नवीन वस्त्रों से अलंकरण कर विशेष श्रृंगार किया गया. इसके अभिषेक, पूजन एवं हवन संपन्न हुआ. भक्तों द्वारा भगवान श्री राम के नाम से दीपों से भगवान राम के नाम की आकृति बनाई गई. भक्तों ने सामूहिक रूप से 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया.

एक नजर में

संस्कार विद्यालय में हनुमान चालीसा पाठ

भोपाल, 2 अप्रैल. संस्कार विद्यालय में हनुमान जयंती के अवसर पर प्रात: प्रार्थना के समय हनुमान चालीसा का पाठ किया गया. संस्था के सचिव बसंत चेलानी, नीरज नाथ ने बच्चों के साथ संगीतमय हनुमान चालीसा का पाठ किया. विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, को-आर्डिनेटर सीमा शर्मा, मोन्टेसरी इंचार्ज प्रियांशी आडवानी एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी हनुमान चालीसा का पाठ किया.

श्री घंटाकर्ण जैन तीर्थ में ध्वजा महोत्सव कल से

भोपाल, 2 अप्रैल. श्री घंटाकर्ण महावीर जैन तीर्थ सूखी सेवनिया अमोनी, भोपाल में दो दिवसीय तृतीया ध्वजा महोत्सव शनिवार 4 अप्रैल और रविवार 5 अप्रैल को मनाया जायेगा. साध्वी अमित गुणा श्रीजी द्वारा तिथि अनुसार ध्वजा कार्यक्रम शनिवार को सुबह विधि-विधान के साथ पूजा -प्रक्षाल व भक्ति भावना के साथ शुरू होगा और शाम को प्रथम महायज्ञ के बाद 51 दीपों से आरती के साथ संपन्न होगा. रविवार को सुबह 9 बजे से मुख्य ध्वजा महोत्सव की विविध पूजाएं और महामांगलिक शांति सामूहिक यज्ञ किया जायेगा. विजय मुहूर्त में दोपहर 12.39 पर मंदिर जी के शिखर पर सूरत से आई मुख्य ध्वजा लहराई जाएगी. इस अवसर पर सभी दानदाताओं का सम्मान किया जायेगा. यह जानकारी संस्थापक अध्यक्ष संजय लोढ़ा जैन ने दी.

स्वच्छता की शपथ से बदलाव का संदेश

भोपाल, 2 अप्रैल. अपने आसपास की सफाई ही बेहतर स्वास्थ्य की पहली शर्त है, इसी संदेश के साथ एम्स भोपाल में स्वच्छता पखवाड़ा 2026 की शुरुआत हुई. जहां कर्मचारियों और चिकित्सकों ने मिलकर स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया. संस्थान परिसर में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छारंभ के तहत सभी उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई. इस दौरान मौजूद हर व्यक्ति ने अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता अपनाने का संकल्प दोहराया.

बाल रंगमंच से सीख और सृजन की नई शुरुआत

भोपाल, 2 अप्रैल. एवीएम स्कूल नेहरू नगर में बच्चों की ग्रीष्मकालीन बाल नाट्य कार्यशाला का रंगारंग शुभारंभ किया गया. जिसमें छोटे बच्चे उत्साह और जिज्ञासा के साथ कला और अभिव्यक्ति की नई दुनिया से जुड़ रहे हैं. रंग त्रिवेणी साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समिति के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में बच्चों को खेल खेल में रंगकर्म की बारीकियां सिखाई जा रही हैं. जिसका शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्य रेखा जैन ने बच्चों को कलर बॉक्स और ड्राइंग शीट देकर मस्ती भरी पाठशाला से की. बता दें यह कार्यशाला 30 अप्रैल तक चलेगी. कार्यशाला में प्रशिक्षण दे रहे कलाकार अनुज शुक्ला, अनुज शर्मा, पंकज पटेल और सोनू श्रीवास्तव बच्चों को अभिनय, संगीत, नृत्य और अभिव्यक्ति के अलग-अलग आयामों से परिचित करा रहे हैं. वहीं कार्यशाला की निर्देशिका रचना मिश्रा ने बताया कि यह पहल पिछले चौदह वर्षों से लगातार जारी है जिसका उद्देश्य बच्चों को मोबाइल और तकनीक की दुनिया से निकालकर व्यावहारिक और सृजनात्मक गतिविधियों से जोड़ना है. कार्यशाला में अभिनय, संगीत, नृत्य, योग, शारीरिक, व्यायाम, आवाज और ड्राइंग क्राफ्ट के साथ थिएटर गेम्स भी शामिल हैं.

चर्च में हुई विशेष प्रार्थना सभा

भोपाल, 2 अप्रैल. मसीही समाज द्वारा प्रभु यीशु मसीह के क्रूस पर चढ़ाए जाने से पहले की अंतिम संध्या को स्मरण करते हुए सेंट जॉन ई.एल.सी चर्च, गोविंदपुरा में विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई. इस अवसर पर आर्चडिकॉन रेव. डॉ. अनिल मार्टिन ने श्रद्धालुओं को बताया कि प्रभु यीशु मसीह ने अपने शिष्यों के साथ विनम्रता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया. उन्होंने अपने वस्त्र उतारकर स्वयं शिष्यों के पांव धोए और यह संदेश दिया जो व्यक्ति नेतृत्व करना चाहता है, उसे पहले दूसरों की सेवा करनी चाहिए.

आज 25 इलाकों में बिजली कटौती

भोपाल, 2 अप्रैल. शहर के लगभग 25 इलाकों में शुक्रवार को मेंटनेंस के लिए बिजली सप्लाई बंद रहेगी. शुक्रवार सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक आदि परिसर फेस-2, जाटखेड़ी, खंजर मोहल्ला, बाग मुगालिया बस्ती, भवानी नगर. सुबह 10 से दोपहर 2.30 बजे तक त्रिभुवन कॉलोनी, लीला अतुल्यम, महेंद्रा एंपल, शिव आंगन, अर्बन रिवर, मुकुंद रत्नम. सुबह 10 से शाम 4 बजे तक आदमपुर, छावनी, डोबरा, चोर सगोनी, ओमेगा फार्म, पलासी, बड़वई, एलेक्सर ग्रीन, नाइश स्पेश कॉलोनी, ईको ग्रीन पार्क, एमएल हाईराइज, राजनगर एवं आसपास के इलाकों में बिजली बंद रहेगी.

35 विद्यार्थियों ने बनाई 35 फीट लंबी पेंटिंग

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 2 अप्रैल. विश्व ऑटिज्म दिवस पर सुभाष एक्सीलेंस स्कूल में 35 विद्यार्थियों ने 35 फीट लंबी पेंटिंग बनाई. नीले बैकग्राउंड पर बनाई गई यह पेंटिंग ऑटिज्म से जुड़े बच्चों को समर्पित रही.

संस्था एक्ट टू इनेबल आधार के आयोजन में विद्यार्थियों ने यह पेंटिंग तैयार की. कार्यक्रम में विशेष बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं. स्कूल के प्रिंसिपल डॉ पाराशर ने विद्यार्थियों से कहा कि हर व्यक्ति अपनी तरह से विशिष्ट है और हमें सभी के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए. उन्होंने सहयोग और कृतज्ञता के भाव को जीवन में अपनाने की बात कही.

एमपी पुलिस को मिले तीन पुरस्कार

विशेष संवाददाता

भोपाल, 2 अप्रैल. मध्यप्रदेश पुलिस को तीन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्कोच पुरस्कार औपचारिक रूप से पुलिस मुख्यालय, भोपाल में प्रदान किए गए. ये पुरस्कार पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसीआरबी) जयदीप प्रसाद, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नारकोटिक्स) डी. श्रीनिवास वर्मा तथा पुलिस आयुक्त संजय कुमार द्वारा सौजन्य भेंट के रूप में सौंपे गए.

इस अवसर पर डीजीपी मकवाणा ने सभी अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पुलिस बल के मजबूत टीमवर्क, नवाचार और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है. उन्होंने जोर दिया कि तकनीक आधारित, पारदर्शी और प्रभावी पुलिसिंग के माध्यम से नागरिकों की सुरक्षा और विश्वास को आगे भी मजबूत किया जाएगा.

उल्लेखनीय है कि ये पुरस्कार 28 मार्च को नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित 106वें स्कोच समिट 2026 के दौरान प्रदान किए गए.

डिग्री के बाद विद्यार्थियों का सैलरी पैकेज पर बढ़ा फोकस

रिपोर्ट : कॉलेज की रैंकिंग नहीं, कौशल और भविष्य के अवसर खंगाल रहे विद्यार्थी

साक्षी केसरवानी

भोपाल, 2 अप्रैल. कोरोना काल के बाद डिजिटल लर्निंग के शोर से अलग अब भारतीय विद्यार्थी फिर से क्लासरूम के उस मानवीय अनुभव को जीना चाहते हैं, जिसे स्क्रीन ने छीन लिया था.

ग्लोबल मैनेजमेंट एडमिशन काउंसिल (जीएमएसी) की ताजा रिपोर्ट में दावा किया है कि करीब 73 प्रतिशत विद्यार्थी अब फुल-टाइम, इन-पर्सन (कैंपस में रहकर) पढ़ाई करना चाहते हैं. जो पिछले कई सालों की गिरावट के बाद एक बड़ी वापसी है. 147 देशों के लगभग 4,912 विद्यार्थियों पर किए गए इस सर्वे के अनुसार, अब युवाओं का नजरिया पूरी तरह से व्यावहारिक हो गया है. छात्र-छात्राएं अब यह नहीं देख रहे कि कॉलेज कितना पुराना है, बल्कि उनका पूरा ध्यान इस बात पर है कि डिग्री लेने के बाद उन्हें कितने का पैकेज मिलेगा.

क्या सीखना चाहते हैं युवा

जीएमएसी रिपोर्ट के अनुसार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक दौर की जरूरतों के बीच विद्यार्थी उन हुनर को सीखना चाहते हैं, जो उन्हें भीड़ से अलग खड़ा करें. करीब 75 प्रतिशत छात्र रणनीतियां बनाने के टूल सीखना चाहते हैं, 67 प्रतिशत समस्या सुलझाने, निर्णय लेने की क्षमता, नेतृत्व कौशल सीखने के इच्छुक हैं. वहीं 35% विद्यार्थी अब एआई टूल्स के उपयोग में महारत हासिल करना चाहते हैं.

भविष्य के लक्ष्य

टॉप सेक्टर: कंसल्टिंग, वित्तीय सेवाएं और टेक्नोलॉजी अब भी छात्रों की पहली पसंद बने हुए हैं.

मार्केट शिफ्ट: टेक सेक्टर के प्रति आकर्षण में इस बार मामूली कमी दर्ज की गई है.

जल्द दाखिला: 93% विद्यार्थी अगले 2 साल के भीतर ही मैनेजमेंट शिक्षा में दाखिला लेने की योजना बना रहे हैं.

रैंकिंग से ज्यादा कमाई पर जोर

पिछले कुछ वर्षों के मुकाबले पहले विद्यार्थी कॉलेज के नाम और उसकी वैश्विक रैंकिंग के पीछे भागते थे. वहीं अब उनका फोकस भविष्य की सुरक्षा पर है. जबकि रिसर्च के दौरान अब केवल 29% विद्यार्थी ही कॉलेज रैंकिंग को प्राथमिकता दे रहे हैं. जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 37% था. इसकी जगह अब 42% युवाओं का पूरा ध्यान कौशल और भविष्य के अवसर पर है. वहीं करीब 39% छात्र- छात्राएं दाखिले से पहले ही करियर आउटकम यानी नौकरी और सैलरी की संभावनाओं को खंगाल रहे हैं.

भविष्य की चिंता बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में हुए व्याख्यान में मुख्य वक्ता जे नंदकुमार ने कहा

लोकतंत्र के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकती है एआई

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 2 अप्रैल. ब्रिटिश शासनकाल में भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों को दबाने का प्रयास किया गया और अब समय है कि हम अपनी वैज्ञानिक विरासत को फिर से सामने लाएं. यह कथन कहीं और नहीं, बल्कि बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के ज्ञान विज्ञान भवन में शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कही.

विवि में गुरुवार को विज्ञान में राष्ट्रीय स्वत्व विषय पर महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया. आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा

जगत के विद्वानों, शोधार्थियों और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति रही. कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के आगमन के साथ हुआ. कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जे नंदकुमार ने अपने विचार रखते हुए कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है बल्कि इसका सांस्कृतिक और सामाजिक पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है. उन्होंने कृत्रिम मेधा यानी एआई को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि यह तकनीक भविष्य में लोकतंत्र और सामाजिक व्यवस्था के लिए चुनौती बन सकती है. उन्होंने यह भी कहा कि एआई अब कविता और श्लोक तक रचने लगा है और आने वाले समय में निर्णय प्रक्रिया को भी प्रभावित कर सकता है.